



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	23.06.2021	--	--

एविक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए आपर संभावनाएँ: शोभिता

हिसार, 23 जून (गणकमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में एविक से जुड़कर युवा रोजगार मार्गने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एविक न केवल सकूल अवश्यकता बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विद्यार प्रशिक्षित और प्रीटोरिको पृभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंडल, भारत सरकार की संयुक्त सचिव शोभिता विभास ने उपलब्ध किए। ये एविक केंद्र व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रीटोरिकी महाविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी हासिल करने के उपरांत बोल रहे थे। इस दीर्घन उत्तरी क्षेत्र कृषि महीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे। शोभिता विभास ने कहा कि विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि से

जुड़ी गतिविधियों में किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के स्टार्टअप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता के लिए एग्री विजनेस इन्वेस्टमेंट सेंटर की स्थापना करना यहां ही सराहनीय कदम है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा कृषि क्षेत्र में किए

युवा अपने कृषि अवश्यकता को बेहतर कर सकते हैं और अपनी आवं में हजारों कर सकते हैं।

किसानों को मिल गई तकनीकी सहायता : प्रौ. व्हाम्बोज

कुलपति प्रोफेसर बीआर कंठोज ने एग्री विजनेस इन्वेस्टमेंट सेंटर की जानकारी देते हुए संयुक्त सचिव को बताया कि इस सेंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की उम्मीद अपसर हो रही है। यह किसानों को सोधे तौर पर अवश्यकता से जैडने तथा उसके उत्पाद को उचित दाम फिल्में के ऊपर पुरा कर रहा है। कर्तव्यमें कुलपति के ओप्पोडी डॉ. उत्तुल रींगाह, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रीटोरिकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. अमरजीत कालडा, डॉ. विजय रानी, एविक के नोडल अधिकारी एसके गोयल, एविक से विक्रम सिंह, अर्पित तनेजा, मनीष मणि सहित एविक की पूरी टीम मौजूद रही।

**संयुक्त सचिव ने एवायु तिथि
एविक व इंजीनियरिंग कॉलेज
का दौरा कर लिया जारी**

जा रहे अनुसंधानों व तकनीकों की भी प्रशंसा की। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रीटोरिकी महाविद्यालय के समक्ष उन्होंने पौधारोपण भी किया और कलेज में चल रही आधुनिक परियोजनाओं की जानकारी ली और भविष्य में आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र से जुड़ी गतिविधियों में आधुनिक तकनीकी व प्रीटोरिकी को अपनाकर



**चौंधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

संघ कहा

22.06.2021

एविक व कृषि अभियान्त्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएँ : शोभिता विश्वास

- सायुक्त संघिय ने एचएयू रिप्टर एविक व इंजीनियरिंग कॉलेज का दौरा कर लिया जासून।

हिंसर (मात्र नहीं न्यून)।
कौपीयी परम विश्व हिंसाका नुस्खे
न-विश्वासात्मक हिंसर में एकत्र में
द्वितीय कुश रोगियाँ भी विश्व
विश्व द्विय वासी बन जाती हैं। विश्व
कौपीयी रूपात्मक विश्वासी बनाते हैं
इस काला है विश्व नक्षीकी ताप
विश्वासी भी इनमें समाचार है। वे
हिंसर विश्वासीत्व और विश्वासीत्वी
विश्वासी, विश्वासीत्व और विश्वासी
विश्वासी विश्वासी, विश्वासी और विश्वासी
विश्वासी मौजूदा विश्वासी विश्वासी
विश्वासी विश्वासी विश्वासी विश्वासी
विश्वासी विश्वासी विश्वासी विश्वासी
विश्वासी विश्वासी विश्वासी विश्वासी



परिवेशवादी की उनकानी हाइब्रिड
बढ़ने के उपरांत बोला गयी थी। उन
कीमत उत्तरी एवं मध्य भूमि परिवेश
प्रशासन द्वारा परिवेश संवर्धन, हिवार
के निपटान एवं पुरेज जैवी प्रौद्योगि-
की। संतुष्टि प्रशासन ने कहा कि
प्रिलिंगितानन्द ने कृषि और पूर्णि से
जुड़े परिवेशधर्मों में जिमकवी, पुष्प
जलजो और उद्धकियों के स्थानीयता के
लिए लकड़ीयों सहित प्रशासन, प्रशासन
परिवेश संवर्धन के लिए एवं प्रिलिंगि-
तानन्द के लिए जीवन की समाज करन-
वाहन ही जातीजीव कर्म है। उद्धरण
प्रिलिंगितानन्द द्वारा कृषि विकास में जिम-

जो रहे उनमें सभी व तकनीकी भी
पैदे प्रवर्तना की है। कुछ इंसानियत की एवं
पौरी जीवनशैली के समान
उन्होंने गैरप्रोतोगत भी नियम और
कानून दे चल रखी अस्ट्रीलिय
परिवेशात्मकों वै जलवायी ली और
भौतिक में अपनी सहायता करने पर
यानी की। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे
में जुड़ी वाहिनीयताएं व अस्ट्रीलिय
एकनीयों व द्वीपों की को इतना सह
मुक्त। उन्हें कुछ आवासाय फैदे बेंटाना
कर सकते हैं और उन्हीं उन्हें
प्रत्यक्ष बता सकते हैं।



चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

संयुक्त सचिव ने एवाण्यु रिश्तत एविक व इंजीनियरिंग कॉलेज का दौरा कर लिया जायजा

एधिक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएँ : शोमिता विश्वास

www.w3.org



मिलने, तुम कौन से वास्तविकी के विवरणों के बिना वास्तविकी बनाओ, जिसका उपयोग विभिन्न विषयों के बिना असहज हो सकता है। इसका उपयोग विभिन्न विषयों के बिना असहज हो सकता है।

त्रिविल्लिमल्ला दुर्गा मूर्ति की देवी है जिसे वार्षिक रूप से उत्तराखण्ड के लक्ष्मणगढ़ी की देवी घोषित की गई। अधिकारियों द्वारा लक्ष्मणगढ़ी के नाम से जाना जाता है। देवी की पूजा विशेषज्ञ द्वारा की जाती है।

विवेकानन्द की वाचनी ही ऐसे विषयों
में अत्यधि ध्यान देती है कि वहीं
उनकी वाचनी में वृत्ति की तरह वहीं
विवेकानन्द के अन्यथा वाचनोंमें
प्रतिविवेकी से अलगता बहुत अधिक
प्रत्यक्ष होती है। इसका अन्यथा
विवेकानन्द की वाचनी वह विषयों
में अत्यधि ध्यान देती है कि

प्राचीन विद्यालयों की संस्थापना में एवं
विकास में उत्तम प्रयत्न देखा जाता है। इसके लिए
एक विशेष विभाग की स्थापना की जा रही
है। इसकी विभिन्न विधायिकाओं की
सहायता से विद्यालयों की संस्थापना
की विभिन्न विधायिकाओं की सहायता से विद्यालयों की संस्थापना
की विभिन्न विधायिकाओं की सहायता से विद्यालयों की संस्थापना
की विभिन्न विधायिकाओं की सहायता से विद्यालयों की संस्थापना

एवं तेज वर्षानि से विभिन्न वर्षानि
उपर वर्षानि एवं वर्षानि एवं वर्षानि में
वर्षा के विभिन्न वर्षानि हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हेलो हिसार न्यूज	22.06.2021	--	--

एविक व कृषि आभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं : शोभिता विश्वास



हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में एविक से जुड़कर सुख गोदागार भोगने की बजाय गोदागार हेपे खाले छन भकते हैं। एविक न केवल अफल व्यवसायी बनाने में मद्द करता है बल्कि लकनोंको राज एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विचार मरीजोंकरन और प्रौद्योगिकों प्रधान, कृषि,

महाकारिता और किसान कल्याण विधान, कृषि और किसान कल्याण विभाग, खात सरकार की संयुक्त मीमांसा शोभिता विश्वास ने व्यक्त किए। वे एविक केंद्र व कृषि अधियांत्रिकों एवं डॉक्टरिंगकों महाविद्यालय की विधिज परियोजनाओंको जानकारी हासिल करने के उपरोक्त बोल रही थीं। इस दैशन उत्तरी खेत्र कृषि मशीनों

प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, हिसार के निटेशन लॉ बुकेज वेब पी पौन्ड रहे। शोभिता विश्वास ने कहा कि विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि में नुडी गतिविधियों में फिरानों, युवा छात्रों और उदायियों के स्टार्टअप के लिए लकनोंकी महादोग, प्रशिक्षण व विश्वविद्यालय के लिए एशी विजनेस इन्डस्ट्रीजन सेंटर की स्थापना करना चाहून ही सराहनीय कठबूत है। किसानों की यिल उही लकनोंकी महादोग : प्रोफेसर डी.आर. कलामज़ी

कृषिकार्य प्रोफेसर डी.आर. कलामज़ी ने एवलोन बहाने के लिए एवं उत्पादों की गुणवत्ता में मुद्दार के लिए इकामात है। जाव ही अनुसंधान एवं विकास के लिए येच प्रश्न छरते के अलावा सुनिकाटी सुविधाएं और लकनोंकी जन प्रदान करता है।

संयुक्त सचिव ने एचएय स्थित एविक व डॉक्टरिंग कॉलेज का दीग कर लिया जायजा

सचिवता लेकर कृषि खेत में सफल होने की उपर अप्रत्याप हो रहे हैं। यह किसानों को मीथे तीर पर अवलम्बन में जोड़ने तथा उसके उपार जो ऊंचात दाम मिलने के उद्देश्य पूरा कर रहा है।

यह सेंटर उदायियों ने एवलोन बहाने के लिए उत्पादों की गुणवत्ता में मुद्दार के लिए इकामात है। जाव ही अनुसंधान एवं विकास के लिए येच प्रश्न छरते के अलावा सुनिकाटी सुविधाएं और लकनोंकी जन प्रदान करता है।



चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज़	22.06.2021

एकिक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएँ: शोमिता विश्वास

संयुक्त संघर्ष ने एचएयू स्थित एविक व इंजीनियरिंग कॉलेज का दोस्रा कर लिया जायजा



विवरण : यह अपेक्षित रूप से अधिक अस्थिर अवधि का विवरण है जो अपेक्षित अवधि की तुलना में अधिक अस्थिर रूप से अधिक अस्थिर अवधि का विवरण है। इसका अस्थिर अवधि का विवरण अस्थिर अवधि के लिए एक अस्थिर अवधि का विवरण है। इसका अस्थिर अवधि का विवरण अस्थिर अवधि के लिए एक अस्थिर अवधि का विवरण है।

किसकी की यित रही
तकनीकी साक्षात् कामोज
कुमारी देवी देवी देवी
ये एवी दिव्यांग इन्द्रांग वानीं
लोरी की गावाली है तु निरुप
दीर्घि तो ब्रह्मा है इन देवों के
साक्षात् है किसका विनाशीलाल
की उपर्युक्ती साक्षात् देवी तु मि
है नै दावानी होने की वह
प्रकाश से हो है। यह विनाशी की
लोरी है एव वास्तव है जोड़ो
कर अब अब यह की अंति वास
विनाश के उत्तर पर वह तु है।

वास्तवमें कृतियों के अवसरों
में अपने दोस्रे वृक्षों
जीवाश्वरीयों एवं दूसरीयों
सम्बन्धित जीवों की सहायता
में विकल्प रही।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

समस्त हरियाणा न्यूज़

22.06.2021

-

-

एविक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएँ : शोमिता

हिमांशु (समस्त हरियाणा न्यूज़)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में एविक से जुड़कर युवा शोक्षणों द्वारा अवश्यक देने वाले बन सकते हैं। एविक न केवल सफल लघवालाएँ बनाने में मदद करता है बल्कि लकड़ी की गाड़ी एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विचार महावीरकरण और प्रौद्योगिकी प्रधारण, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण नियमाला, भारत सरकार की संसुन्दर सचिव जोमिता विश्वास ने अबद्ध किए। ऐसे एविक के द्वारा कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय को विभिन्न परिवर्तनों की जानकारी हासिल करने के उपरांत योग्य रही गई। इस दीर्घ उत्तरी क्षेत्र कृषि महावीरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, हिमांशु के निदेशक हैं, मुकेश जीन भी मौजूद रहे। शोमिता विश्वास ने कहा कि विश्वविद्यालय में कृषि और एविक से जुड़ी महत्वपूर्णिमाओं में किसानों, युवा लड़ों और उद्यमियों के स्टार्टअप के लिए लकड़ीकी सहयोग, प्रशिक्षण व विनोद साहस्रता के लिए एयो विलानेस इनडस्ट्रीजेशन सेंटर की स्थापना करना अद्भुत ही समाजनीय कदम है। कुलानंति प्रोफेसर योगेश छोड़ोल ने एक्ट्री विलानेस इनडस्ट्रीजेशन सेंटर की जानकारी देते हुए संसुन्दर सचिव को बताया कि इस सेंटर के आवधि से किसान विश्वविद्यालय की लकड़ीकी रसायनता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की तरफ आगामा हो रहे हैं। यह किसानों को खोदे जाए पर अवधारणा से जोड़ने तक उनके उपचार को उचित दाम निर्धारण के उद्देश्य पूरा कर रहा है। संसुन्दर सचिव ने एविक की बेकारी शुनिट का भी दीर्घ किया। इस दीर्घ संसुन्दर सचिव ने एविक की बेकारी शुनिट का भी दीर्घ किया। इससे पहले एविक ने आयोजित क्रांतिकार में बुलसर्वति के अंतर्गत हॉट अनुल लीनड़, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिकारी हॉट अमरजीत कलाल, डॉ. विजया रानी, एविक के नोडल अधिकारी प्रसांक गोपल, एविक में विष्णु निंदु, अपिन लोवा, मनीषा मणि सहित एविक की पुरी टीम मौजूद रही।



सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण नियमाला, भारत सरकार की संसुन्दर सचिव जोमिता विश्वास ने अबद्ध किए। ऐसे एविक के द्वारा कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय को विभिन्न परिवर्तनों की जानकारी हासिल करने के उपरांत योग्य रही गई। इस दीर्घ उत्तरी क्षेत्र कृषि महावीरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, हिमांशु के निदेशक हैं, मुकेश जीन भी मौजूद रहे। शोमिता विश्वास ने कहा कि विश्वविद्यालय में कृषि और एविक से जुड़ी महत्वपूर्णिमाओं में किसानों, युवा लड़ों और उद्यमियों के स्टार्टअप के लिए लकड़ीकी सहयोग, प्रशिक्षण व विनोद साहस्रता के लिए एयो विलानेस इनडस्ट्रीजेशन सेंटर की स्थापना करना अद्भुत ही समाजनीय कदम है। कुलानंति प्रोफेसर योगेश छोड़ोल ने एक्ट्री विलानेस इनडस्ट्रीजेशन सेंटर की जानकारी देते हुए संसुन्दर सचिव को बताया कि इस सेंटर के आवधि से किसान विश्वविद्यालय की लकड़ीकी रसायनता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की तरफ आगामा हो रहे हैं। यह किसानों को खोदे जाए पर अवधारणा से जोड़ने तक उनके उपचार को उचित दाम निर्धारण के उद्देश्य पूरा कर रहा है। संसुन्दर सचिव ने एविक की बेकारी शुनिट का भी दीर्घ किया। इस दीर्घ संसुन्दर सचिव ने एविक की बेकारी शुनिट का भी दीर्घ किया। इससे पहले एविक ने आयोजित क्रांतिकार में बुलसर्वति के अंतर्गत हॉट अनुल लीनड़, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिकारी हॉट अमरजीत कलाल, डॉ. विजया रानी, एविक के नोडल अधिकारी प्रसांक गोपल, एविक में विष्णु निंदु, अपिन लोवा, मनीषा मणि सहित एविक की पुरी टीम मौजूद रही।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, डिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम

नम श्वर

दिनांक

22.06.2021

पुष्ट संस्कृता

कालम

— 1 —

एधिक तकनीकी राय एवं कौशल प्रदान करता है : विश्वास

Figure 23. Summary

चीजों से बरतने में हरियाला कृष्ण
दिव्यविद्यालय में प्रविष्ट है उक्तका
सूत्र रोकला जानपै को बचाए
रखाता है। यहाँ यह बहुत है।
प्रविष्ट होने के बाद उक्त विद्यालय
कहाँ में नहीं करता है। यहिं
तक जीवों द्वारा एक कौशल की प्रतीक
करता है। ये विद्यार मातृदेवताओं
और प्रीतिशिक्षी उपराम, कृष्ण,
सहजदीर्घ और विद्यार विद्यालय
विद्यार, कृष्ण और विद्यार विद्यालय
में अध्ययन की संस्कृत स्थिति लोहिताल
विद्यालय में अध्ययन कित। वे नीचे बैठ
कर ये कृष्ण अपीलीशिक्षी एवं
प्रीतिशिक्षी मातृदेवतालय की
विभिन्न प्राचीन विद्यालय की जागरूकी
दर्शित करने के उपराम को ले ली
ये। इस दैवाल उत्तरी देश कृष्ण
भज्जीवी विद्यालय एवं विद्यालय
संस्थान के विद्यालय हैं। यहाँ विद्या

भी भीड़ रहे। लैंगिक विवाह के कहा जिंदगीयात्रा में कुछ और कुछ से जुड़ी गतिविधियों में विस्तृत, एवं विवरितीय उत्तराधिकारी के बहुठारे, प्रतिकूल विशेष व्यवहारका के लिए एवं विवाहित दूनकृष्णवेशमें विशेष व्यवहारका करने वाली उपचारका फलस्वरूप बहुत ही संशयनीय काम है। उन्होंने विवाहितव्यात्मक द्वारा कुछ ऐसे ने लिए जो नहीं अनुमतिशाली व उक्ताधिकारी को भी लाभकारी नहीं। कुछ उत्तराधिकारी एवं विशेषाधिकारी व्यवहारका के मालबे उन्होंने विशेषज्ञता भी लिया औं उक्ताधिकारी में चल गई असुविधा विवाहितव्यात्मकी की अवधारी भी और भवित्व में आवासी व्यवहारका बहुत ज्ञानी भी बनती रही। उन्होंने विशेष जिंदगी के से जुड़ी गतिविधियों में आधिक उक्ताधिकारी

प्रीतिशीलिती को अनुभव कर पूछ अपनी कृपि व्यवस्था को बेकाम कर सकते हैं और अपनी अवधि का लाभ कर सकते हैं। कृपि व्यवस्था की ओर कौशिक ने अद्वितीय हुम प्रेटर के भविष्यम् ये विचार विभवितात्मक वही लक्षणीय महाकाल लेखन कृपि छेत्र में सकारात्मक होने की तरफ अद्वितीय हो गए हैं यह विचारों की ओर से ही एवं उनका साथ से जोड़कर तथा उनके उपराह को लेखन द्वारा विस्तरित करने पर है। यह सेवा उद्धारितों से विभवात्मक व्यवस्था का उपराह प्रयोगशाला दर्शाता है जिसकी वास्तविकता में चूपार के लिए प्रसारण है। साथ ही अनुभवशन एवं विकास के लिए ऐसे उपराह करने वाले अन्यथा सुनिधानी सुनिधान और उन्हें तत्त्वजीवी ज्ञान प्रदान करता है। हम केंद्र का उद्देश्य कृपि प्रीतिशीलिती

पर्याप्त व्यवस्थाएँ बनाए और स्टार्टअप
कंपनियों के विकास की सहायता
के लिए सहायताएँ देना चाहिए या जबर्दस्त
की सहायता और विद्युत के लिए
प्रशंसनीय, व्यवस्थाएँ
मानवरूपों द्वारा देना चाहिए यदि वे भी
हैं। इस दौरान संघर्ष मीटिंग ने
जोड़ने परीक्षा, कृषि अधिकारियों
एवं दौलतीयों द्वारा व्यवस्थाएँ
दीया गिया और व्यवस्था
स्टार्टअप से भी जुड़ा हुआ था।
इससे पहले व्यवस्था में उत्तरोत्तर
कारोबार में कुछ तीव्रता के आशंका ही
है। अब तक हीमा, कृषि
अधिकारियों द्वारा दौलतीयों
नामियों द्वारा देने वाली
अमरतीर्थ व्यवस्था, जो विकास
एवं व्यवस्था के नीतियाँ अधिकारी
परिषेक दीया गया, एवं विकास के
सिंचु अधिकारी दीया गया, अधीक्षा नीति
अधीक्षा दीया गया है।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम एचआर वेकिंग चॅज

ਦਿਨਾਂਕ

22.06.2021

कॉलम

10

एकिक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएँ : शोभिता विश्वास

第10章 算法设计

एवं द्वारा उनी ने युग्म विवेचनी
प्रतिक्रिया कर्त्तव्य घोषणा, विभाग के
विवेचना द्वारा युक्ति दी गई थी। यहाँ दो
सम्पूर्ण विवेचन के कारण विभागीय विवेचन
में युक्ति और युक्ति में
उपर्युक्त विवेचनीय में विवेचनीय कारण सार्वभौमिक



whether you're after either a smooth glaze or an artistic, textured effect.

पौराणिक ये विषय और परमार्थ में बहुती अनुभिति प्राप्तिशक्तियों का अवधारणीय हो और भौतिक में अस्तित्व वाली वस्तुओं का विचार हो। इनमें विद्युति का नियम विषय से जुड़ी प्रतिक्रियाएँ अनुभिति वाली होती हैं और विद्युति का अवधारणा द्वारा अन्यीं विषय वस्तुओं का विचार भी आवश्यक हो जाता है। और अन्यीं वस्तु विद्युति का विचार का विषय है।

संस्कृत संवित् ने
एचारयु स्थित एकिक व
इनीमियारिं कर्मेता का
दौरा कर लिया जहजा

विवरणी वा विषय संक्षेप संकारण



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम डैलो डिसार न्यूज

दिनांक

23.06.2021

कालम

100

कोरोना से जंग जीतने के लिए प्रयास जारी : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज



हिन्दू : जीवनी वर्णन में
उत्तम्याता कृषि विकासात्मक
हिन्दू के द्वितीय महान् चरित्र में
देखा गया। उसे द्वितीय महान् आण्विक
विषय गया। इस द्वितीय मुल ३१६
संख्ये की ज्ञानगति को विकास
मन्त्रात् गई। फैप के सुधारेश
ज्ञानगति पर विश्वविद्यालय के
कुलपति हुए।
की अंतर जाप्तोऽन ने कहा यह
कठीन मानाया के विद्यालय जाए

जग और जीवन ही हमारा प्रयत्न है। इसके लिए विद्यारित्यन्त भी जीव में हार्दिकता दृष्टान्त छोटी है। समय-समय पर कर्मचारियों द्वारा बोहुत य शान्त व्यवहार भी द्वारा ये जारी रिट्रॉडलों के द्वारा जागरूक कर्त्त्व द्वारा विस्तरित्यन्त विवरण में लगातार बेहेठार्ड्यन्त अधिकार विकल्पोंमें दैय और बोहोन के देष्ट के लिए किया जायदातित विद्य यह है। उम्मीक

अनन्या विश्वविद्यालय के बाहरी कृषि विद्यालय एवं अनुसंधान केंद्रों पर उपलब्ध विभिन्न विद्यालय विद्या आवैदिक विषय जा रहे हैं। इनमें सभी कृषि विद्यालय एवं अनुसंधान केंद्रों के उचाजी भी भोग से किए द्वारा ग्रेट लिए गए नकटीयी गतियों के विवरणों के छेत्र के कम्पनीयों को विकल्प लगाता रहता है। साथ ही उन्होंने जलाल विद्यालय को कैफलीय समाजने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उपलब्ध पूरी विश्वविद्यालय के कम्पनीयों और उनके परिवर्ती को उपलब्ध समाजने के लिए उपकरण दिया जा रहा है और कैप आवैदिक विषय जा रहे हैं ताकि विद्यों भी वर्षभारी और उनके परिवर्ती को टीक्काकरण के लिए विद्यों प्रबाल की समर्पण करा

एचार्य के कैपथ मूल
में समाधा होगा
विवरीनेपान कैप, 516
लोगों को समाझ गई
कोरेजा की विवरीन

卷之三

कुलपति श्रीफलर जी ज्ञान
कामेंद्र ने कहा एक संस्कृत
वाचकी उच्च अपने लाभ का था,
उस भी समय वे बिंद मारकर दुना
जाते हिंदुओं का पालन करते
हुए विश्वविद्यालय के प्रशासनिक
कार्य कुपि संबंधी कार्य
अनुसंधान और जीवनानन विद्या
ऐसी मरी गतिविधियों नियमित
गति से जड़ी रही। विश्वविद्यालय
के कर्मचारी ने छोटी-छोटी
की खींत अपना कई नियमों तुर
दृष्टि रखी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
डैलो हिसार न्यूज़	23.06.2021	-	-

एचएयू में तीन दिवसीय ऑनलाइन कपास प्रशिक्षण का समापन

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन दिवसीय कपास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। यह जानकारी देते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के मह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में कपास उत्पादन तकनीक व उसका प्रबंधन मुख्य विषय था। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेनकाम दोडा ने बतौर मुख्यालिंग संबोधित करते किसानों के लिए विश्वविद्यालय के विज्ञार शिक्षा निदेशालय की ओर से



कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ही। सबसे ही उन्होंने किसानों के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों के बारे में भी बताया और कहा कि किसान विश्वविद्यालय में जुड़कर इन प्रशिक्षणों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रशिक्षण का आयोजन डॉ. निर्वल कुमार ब डॉ. दीपेंद्र सांगवान ने किसानों को कपास के शंकर बीज का उत्पादन अपने खेत में तैयार करने के बारे में जानकारी दी जबकि डॉ. करमल सिंह ने कपास का अधिक उत्पादन लेने के लिए अपनाई जाने वाली उमत शास्त्र कियाओं में अवगत कराया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, डिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आजीत समाचार	23.06.2021	-	-

एचएयू में ऑनलाइन कपास प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

हिसार, 24 जून (रात्रकुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आयोजित लोन दिव्यांग कपास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। यह जानकारी देते हुए साथमा नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान के लड़-निर्देशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदाने ने कहा कि इस प्रशिक्षण में कपास उत्पादन तकनीक व उसका प्रबंधन मुख्य विषय था। किसान निर्देशक डॉ. रमनिवास लोहा ने बताया कि इसकी उत्पादन करने के लिए किसानों के लिए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी निर्देशक विज्ञान के ओर से कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की

विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों के लिए अयोग्यता प्रशिक्षण जाने वाले प्रशिक्षणों के बारे में भी बताया और कहा कि किसान विश्वविद्यालय से जुड़कर इन प्रशिक्षणों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रशिक्षण का आयोजन डॉ. निर्मल कुमार व डॉ. दविदर सिंह ने किया।

कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. औमेन्द्र सार्गवान ने किसानों को कपास के शंकर खोज का उत्पादन अपने संस्कृत में ऐवाज करने के बारे में जानकारी दी जबकि डॉ. करमल सिंह ने कपास का अधिक उत्पादन सेवन के लिए अपनाई जाने वाली ऊपर शर्म विद्यार्थी से उल्लङ्घन कराया। डॉ. रामप्रकाश ने समस्या ग्रस्त भूमि व खारे पानी का सुधार करने और कपास उत्पादन में विभिन्न वालों का

व्यापक योगदान की सलाह दी। डॉ. भूमेन्द्र ने भी लोटों का विद्युतीय करने को सेहत उत्पाद बताए और डॉ. ममन्देहन ने कपास में आमे वाली विभिन्न विभागियों के बारे में जानकारी दी। डॉ. निर्मल ने कपास में हेने वाले अनावश्यक गुरुर्च वो कम करने के बारे में जानकारी देते हुए अधिक उत्पादन हासिल करने की लकड़ीकों से अवगत कराया। इस प्रशिक्षण के द्वारा किसानों को कपास उत्पादन की विभिन्न लकड़ीकों व उनके प्रयोग के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई और प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रशिक्षणीयों को ई-सर्टिफिकेट संरक्षण की ओर से प्रदान किया गए। प्रशिक्षण का आयोजन गुगल मॉटर के माध्यम से किया गया था।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, फिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम

अचीत समाचार

दिनांक
23.06.2021

पृष्ठ संख्या

कॉलन

—
—
—

फोटोना से जंग जीतने हेतु प्रयास जारी : प्रौ. काम्बोज

लिमार, 24 जून (देवसर्वाद) : चौथे परो चारण निर्वह लौरियाला कृषि विभागितालय लिमार के कोपस स्कूल परिसर में मेहा वीक्सोनेशन के प्र आवोडिल किया गया। इस दैरान कुल 516 लोगों को कोरोना वीक्सोनेशन समाझ रहा। कैप के शुभारंभ अवसर पर विभागितालय के कृषिपति प्रोफेसर बी. अल. कार्प्पोज ने कहा कि कोरोना महामारी के लिए लाक जारी जै को औरता ही हमारा प्रयास है। इसके विभागितालय वही ओर से ह प्रयास जारी है। यथा-सम कर्मचारियों को केंद्र य राज सरकार ओर से जारी लिटाफतों के प्रति अ करते हुए विभागितालय परियाल समाजार मेनेटाइजेशन अ वीक्सोनेशन कैप और कोरोना वीक्सोनेशन के लिए कैप अवोडिल नियम इसके अलावा विभागितालय के कृषि विभान एवं अनुसंधान के समाजार वीक्सोनेशन कैप अ किया जा रहा है। इनमें मधी कृषि



टीकाकरण के दैदात लिखितात्मा के वक्तव्य परि प्रो. वी. अष्ट. कान्तोल ने अन्य।

ਅਤੇ ਅਨੁਸਾਰ ਕੋਈ ਸੁਣਾਵੀ ਹੋ ਜਾਂਦੀ

白敬亭 創立「白敬亭」

मेगा वैदिकी-नेशन कैम्प में 516 लोगों को लगाई घैरुल्लीन

को कैसे सीधे लाना चाहिए।

एवं वृक्षमध्ये विद्युति कर्मचारियों ने कोरोना की स्थिति में भी दिखाई दिलाई : कुलपूर्ण प्रोफेसर वी. अल. काल्पनिक ने कहा कि कोरोना महामारी जब अपने धरम पर थी, तब भी एउट वा कोई सख्ती इन जाति विद्यार्थियों का प्रत्यक्ष



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

टिनांक

पृष्ठ संख्या

कालम

एकासर वेकिंग न्यूज

23.06.2021

1

**कोटोना से जंग जीतने के लिए प्रयास
जारी : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज**

卷之三

दिवार। भौतिकी वाचन विहृत होने पर्याप्त कृति विनाशकीय दृष्टिकोण के विषय में इस लोकतांत्रिक देखभाव विकल्पोंमें से एक अवश्यकता विद्युत वाचन। इस दृष्टिकोण का उपर्युक्त लोकतांत्रिक दृष्टिकोण नहीं है।

किए के समर्थन अवसर पा
रिवारीकालीन के कुलांडी द्वारोंवार
की अत बहुत ने बता कि कोई ऐसा
प्रयत्नी के उद्देश्य जीव की जीवन
की दृष्टि दृष्टि है। इसके उद्देश्य
को जीव के उद्देश्य उद्देश्य तभी
जीव के उद्देश्य जीव के उद्देश्य है। याहाँ-याहाँ पा अविवाहितों को
कहु न जान जीवन की जीव के उद्देश्य
की जीव के उद्देश्य जीव की कुल
प्रियालीकालीन विवाह विवाह के उद्देश्य
की जीव के उद्देश्य विवाह के उद्देश्य
की जीव के उद्देश्य विवाह के उद्देश्य



प्राचीन काल से विद्युत का उपयोग होता रहा है।

खारीफ फसलों के दीप्ति के
लिए अतिम सिधि बढ़ी, 31
जूलाई तक फिसान छगड़ा
मर्केट अपनी फसलों का दीप्ति

विवरण: इसका नामकरण ये द्रुतगति वाले प्रयोग विशेष विनाश के लकड़ी वाले वाहनों के लिए दिया गया है। यह विशेष विनाश के लिए उपयोग किया जाता रहा है।

कृष्ण पर्व वासुदेव विद्यार्थी के वासुदेव
ने एवं वासुदेवी हेतु दूष वासुदेव निः
प्रसादन्तर्भी वासुदेव वीर्य वासुदेव अप्य
विद्यार्थी के लिए अधिकाका चोकीदार है,
अपश्चिम यदि वासुदेव विद्यार्थ दूष वासुदेव
में वासुदेव नहीं दौड़ वासुदेव तो वे अपश्चिम
कृष्ण में विद्यार्थ अधिकाका हैं वासुदेव हैं।
तथा वासुदेवी के लिए वीर्य वासुदेव
वा वीर्य वासुदेव के लिए अधिकाका हैं।
और अपश्चिम वासुदेव वीर्य वासुदेव के
वीर्य वासुदेव के लिए अधिकाका हैं अपश्चिम
वासुदेव वा वीर्य वासुदेव वासुदेव हैं। यदि
वासुदेव विद्यार्थ वासुदेव में विद्यार्थ वासुदेव
में वासुदेव वासुदेव हैं तो यह अपश्चिम
विद्यार्थ में वासुदेव वासुदेव वासुदेव के लिए
वीर्य वासुदेव वासुदेव हैं।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज़	23.06.2021	-	-

एवं एद्यमें तीन दिवसीय ऑनलाइन कृपास प्रशिक्षण का समापन

Digitized by srujanika@gmail.com

हिमां भैरव जल रिसेप्शन की
रिसेप्शन विद्या वे विद्याएँ हैं जिन
अन्यजनक जगत में अस्तित्व नहीं
हिमां जल रिसेप्शन विद्याएँ हो
मानवी हैं।

यह अवधारी हो तू यह योग्य प्रेषण
करें जैसे विद्युत विभाग ने लिखा है कि इसका
मूल उद्देश्य यह है कि इस अवधारी
में बदला जाए जिस विभाग में विभाग
उपर्युक्त विभाग के उपर्युक्त विभाग
लिखा जा सके। लिखने विभाग विभाग की
उपर्युक्त विभाग में विभाग
उपर्युक्त विभाग के लिखने विभाग
विभाग की विभाग विभाग के विभाग
विभाग की विभाग विभाग की विभाग

जाति की उचिती विद्यालय के लिए
प्रतिशत नियम जाने का अनुसरण कर दें।
ये भी बदल दी जाएं हैं विद्यालय
विद्यालयों में अवधारणा का अनुसरण कर



लिंगराम से भौतिक तंत्र उत्तरां, ज्ञानिकान का विवेदन हो, जिसके कुछ लाभ के रूप से उपरिकृष्ट ग्रन्थ ऐसा है। बायां अनुसार के अवधारणा एवं अविश्वासीय विवरणों को बदलना का लकड़ा लीटा जाता है। अनुसार अपने लिंग में विवरण बदलने के बारे में ज्ञानवाही दी जाती है। बायां लिंग में बदलना का अभिव्यक्ति अनुसार लिंग के विवरण अपने वाली अवधारणा का विवरणों में अलगाव बढ़ावा देता है। दो अवधारणाएँ विवरणों का विवरण अपने वाली अवधारणा का विवरण अपने वाली अवधारणा में विवरण वाली वाला अवधारणों की विवरण होती है। अवधारणा वाली वाली विवरण अवधारणा और अवधारणा विवरण में अपने वाली विवरण अवधारणों के बारे में विवरणों में अलगाव होती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	25.06.2021	02	07-08

AGRI-BUSINESS INCUBATION CENTRE

Hisar: Shomita Biswas, Joint Secretary, Mechanisation and Technology Division, Development of Agriculture Cooperation and Farmer Welfare, Government of India, visited the Agri-Business Incubation Centre (ABIC), Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University, Hisar, and said the youth with the help of ABIC could be job providers instead of job seekers. The ABIC centre not only helps in becoming a successful entrepreneur but also give technical knowledge and skill. Biswas said establishment of the ABIC was praise worthy as it was motivating startups in the agriculture field and helping farmers and students financially. Vice Chancellor BR Kamboj informed the Joint Secretary that the ABIC is motivating youth and farmers and imparting technical knowledge and skill for establishing successful startups in the agriculture field.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	24.06.2021	04	03-06

‘संयुक्त सचिव ने एबिक व इंजीनियरिंग कॉलेज का दौरा कर लिया जायजा’

हिसार, 23 जून (पकेस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विचार मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास ने व्यक्त किए। वे एबिक केंद्र व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी हासिल करने के उपरांत बोल रही थी।

इस दौरान उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान के निदेशक, डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे। शोमिता विश्वास ने कहा कि कृषि क्षेत्र से जुड़ी गतिविधियों में आधुनिक तकनीकी व प्रौद्योगिकी को अपनाकर युवा अपने कृषि व्यवसाय को बेहतर कर सकते



कृषि मंत्रालय की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास कस्टम हायरिंग सेंटरों तथा फिल्ड कार्यों का अवलोकन करते हुए। (पकेस)

हैं और अपनी आय में इजाफा कर सहायता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने सकते हैं।

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कबोज ने एग्री बिजनेस इनक्यूबैशन सेंटर की जानकारी देते हुए, संयुक्त सचिव को बताया कि इस सेंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अमरजीत कालड़ा, डॉ. विजया रानी, एबिक के नोडल अधिकारी एसके गोयल, एबिक सेविकम सिंधु, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि सहित एबिक की पूरी टीम मौजूद रही।

इसके अलावा संयुक्त सचिव ने सी.आर.एम./समैम योजना के अन्तर्गत स्थापित कस्टम हायरिंग सेंटरों तथा फील्ड कार्यों का जमीनी स्तर पर ध्वनि कर अवलोकन किया तथा योजना के क्रियाव्यन को लेकर किसानों से फीडबैक लिया।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के संयुक्त निदेशक डॉ. जगमन्दर नैन ने बताया कि संयुक्त सचिव ने उत्तरी क्षेत्र फार्म मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान में पैदी ट्रांसप्लांटर के प्रदर्शन प्लाट का अवलोकन किया तथा गांव लाडवा में किसान के खेत में जाकर सीधी बिजाई तकनीक एवं लेजर लैंड लेवलर तकनीक के फील्ड प्रदर्शन प्लाट का निरीक्षण किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	24.06.2021	09	04-08

संबोधन

संयुक्त सचिव ने एबिक व इंजीनियरिंग कॉलेज का दौरा कर लिया जायजा

केंद्र सरकार की संयुक्त सचिव शोभिता विश्वास ने जताया बेहतर भविष्य का भरोसा

हरिगृहि न्यूज़ ||| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है।

ये विचार मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव शोभिता विश्वास ने व्यक्त किए। वे एबिक केंद्र व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी



हिसार। पौधरोपण करती संयुक्त सचिव शोभिता विश्वास व कुलपति प्रौद्योगिकी वीआर काम्बोज।

हासिल करने के उपरांत बोल रही थी। इस दौरान उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान हिसार के निदेशक डॉ.

मुकेश जैन भी मौजूद रहे।

इस दौरान शोभिता विश्वास ने कहा कि विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि से जुड़ी गतिविधियों में

किसानों को तकनीकी जट्ठ

कुलपति प्रो. वीआर काम्बोज ने बताया कि एवी डिजिटेस इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। यह किसानों को सीधे तैर पर व्यवसाय से जोड़ने तथा उसके उत्पाद को उद्योग द्वारा किलने के उद्देश्य पूरा कर रहा है। यह सेंटर उत्पाद प्रसंस्करण एवं उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार को प्रयासरत है।

बैकरी यूनिट का किया दोरा

संयुक्त सचिव ने एबिक की बैकरी यूनिट का भी दौरा किया। इससे पहले एबिक में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढाँगड़ा, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अमरजीत कालड़ा, डॉ. विजया राजी, एबिक के नोडल अधिकारी एसके गोयल, एबिक से विक्रम सिंह, अपित तनेजा, मनोज मणि सहित एबिक टीम भी जूद रही।

किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के स्टार्टअप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय

सहायता के लिए एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना करना सराहनीय कदम है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24.06.2021	02	06-08

एबिक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं : शोमिता विश्वास

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विचार मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास ने व्यक्त किए। वे एबिक केंद्र व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की विभिन्न

परियोजनाओं की जानकारी हासिल करने के उपरांत बोल रही थीं। इस दौरान उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे। कुलपति प्रोफेसर बीआर कंबोज ने एप्री बिजेन्स इनक्यूबेशन सेंटर की जानकारी देते हुए संयुक्त सचिव को बताया कि इस सेंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि अभियांत्रिकी एवं



पौधरोपण करतीं संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास व कुलपति।

प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अमरजीत कालड़ा, डॉ. विजया रानी, एबिक के नोडल अधिकारी एसके गोयल मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24.06.2021	02	06-08

एबिक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं : शोमिता विश्वास

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विचार मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास ने व्यक्त किए। वे एबिक केंद्र व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की विभिन्न

परियोजनाओं की जानकारी हासिल करने के उपरांत बोल रही थीं। इस दौरान उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे। कुलपति प्रोफेसर बीआर कंबोज ने एप्री बिजेन्स इनक्यूबेशन सेंटर की जानकारी देते हुए संयुक्त सचिव को बताया कि इस सेंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि अभियांत्रिकी एवं



पौधरोपण करतीं संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास व कुलपति।

प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अमरजीत कालड़ा, डॉ. विजया रानी, एबिक के नोडल अधिकारी एसके गोयल मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	24.06.2021	04	01-02

कृषि अभियांत्रिकी में अपार संभावनाएँ : शोमिता

हिसार। चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है, बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विचार मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास ने व्यक्त किए। वे एबिक केंद्र व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी हासिल करने के उपरांत बोल रही थी। इस दौरान उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन, महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अमरजीत कालड़ा, डॉ. विजया रानी, एबिक के नोडल अधिकारी एसके गोयल, एबिक से विक्रम सिंधु, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि सहित एबिक की पूरी टीम मौजूद रही। व्यूरा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक द्रिव्यून	24.06.2021	08	07-08

‘कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं’

डिसार (निस) : मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग केन्द्र सरकार की संयुक्त संचिव शोभिता विश्वास ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एबिक सेंटर व इंजीनियरिंग कॉलेज का जायजा लेने के उपरांत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। इस मौके पर उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे। कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने एग्जी बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की जानकारी देते हुए संयुक्त संचिव को बताया कि इस सेंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। संयुक्त संचिव ने बेकरी यूनिट, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय का दौरा किया और एबिक के स्टार्टअप से भी मुलाकात की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.06.2021	04	03-04

'एच.ए.यू. में मेगा वैक्सीनेशन कैंप में 516 लोगों को लगाई वैक्सीन'

हिसार, (पक्षस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल परिसर में नेगा वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किया गया। इस दैरान कुल 516 लोगों को कोरोना की वैक्सीन लगाई गई। कैंप के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ जारी जग को जीतना ही हमारा प्रयास है। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से हस्तगत प्रयास जारी है। उन्होंने कहा कि लगभग पूरे विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और उनके परिजनों को वैक्सीन लगाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति नलिक ने बताया कि कैंप के दैरान 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के कुल 516 लोगों को वैक्सीन लगाई गई, जिसमें 480 कोवैक्सीन और 36 कोविशिल्ड लगाई गई। इस अवसर पर कुलपति के ओ.एस.डी.डॉ. अरुण ठीगड़ा, कुलसंचिव डॉ. राजवीर सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. रिचा, सहित जिला स्वास्थ्य विभाग, विश्वविद्यालय के अन्य प्रशासनिक अधिकारी व अस्तपाल के कर्मचारी भी गौजूद रहे।



टीकाकरण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य भिजवाने के पश्चात विभाग ढारा जाएंगे। प्रत्येक वार्ड में 500-500 संबंधित स्थल पर शीघ्र शिविर का व्यक्तियों को वैक्सीन की डोज दी जाएगी। आयोजन करवाया जाएगा। सिविल सर्जन इस अवसर पर डॉ. नीरज गुप्ता, डॉ. डॉ. रता भारती ने बताया कि स्थास्थ युनिट के स्टाफ के दृष्टिकोण एक दिन पुनीत कुमार, डॉ. जगत सहित शहर के में दो वार्डों में शिविर आयोजित किए गए। यहाँ पर्याप्त संकेत दिया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.06.2021	02	05-08

एचएयू के वैक्सीनेशन कैंप में 516 को लगाया टीका जिसमें 480 कोवैक्सीन और 36 कोविशिल्ड लगाई वीसी ने कहा-कोरोना महामारी के खिलाफ जारी जंग को जीतना ही हमारा प्रयास है

भास्कर न्यूज़ | हिसार

एचएयू के कैंपस स्कूल परिसर में मेगा वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 516 लोगों को कोरोना की वैक्सीन लगाई गई।

कैंप के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ जारी जंग को जीतना ही हमारा प्रयास है। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से हरसंभव प्रयास जारी है। समय-समय पर कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार की ओर से जारी हिदायतों के प्रति जागरूक करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में लगातार सेनेटाइजेशन अभियान, वैक्सीनेशन कैंप और कोरोना के टेस्ट के लिए कैंप आयोजित किए गए हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालय के बाहरी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों पर लगातार वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इचाजों की ओर से केंद्र द्वारा गोद लिए गए नजदीकी गांवों के किसानों व केंद्र के



कर्मचारियों को वैक्सीन लगाई गई है। साथ ही ज्यादा से ज्यादा किसानों को वैक्सीन लगावाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लगभग पूरे विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और उनके परिजनों को वैक्सीन लगावाने के लिए जागरूक किया जा रहा है और कैप आयोजित किए जा रहे हैं ताकि किसी भी कर्मचारी और उसके परिजन को टीकाकरण के लिए किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि कोरोना महामारी जब अपने चरम पर थी, तब भी राज्य व केंद्र सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्य, कृषि संबंधी कार्य,

एचएयू में टीकाकरण के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज व अन्य स्टॉफ के सदस्य।

अनुसंधान और ऑनलाइन पढ़ाई जैसी सभी गतिविधियां निर्बाध गति से जारी रही। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने बताया कि कैप के दौरान 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के कुल 516 लोगों को वैक्सीन लगाई गई जिसमें 480 कोवैक्सीन और 36 कोविशिल्ड लगाई गई। इस अवसर पर वीसी के ओएसडी डॉ. अतुल ढंगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह दहिया, डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. रिचा, डॉ. मंजू, स्टाफ नर्स शर्मिला, पूनम, रेखा और सुनील सहित जिला स्वास्थ्य विभाग, विश्वविद्यालय के अन्य प्रशासनिक अधिकारी व अस्पताल के कर्मचारी भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25.06.2021	04	01

एक नजर में

एचएयू के कैंपस स्कूल में
लगाया मेगा वैक्सीनेशन कैंप
हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा
कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल
परिसर में मेगा वैक्सीनेशन कैंप
आयोजित किया गया। इस दौरान
कुल 516 लोगों को कोरोना की
वैक्सीन लगाई गई। विवि के कुलपति
प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि
महामारी के खिलाफ जारी जंग को
जीतना ही हमारा प्रयास है। मुख्य
चिकित्सा अधिकारी डा. प्रीति मलिक
ने बताया कि कैंप के दौरान 18 वर्ष से
अधिक आयु वर्ग के कुल 516 लोगों
को वैक्सीन लगाई गई। इस अवसर
पर कुलपति के ओएसडी डा. अतुल
ढीगड़ा, कुलसचिव डा. राजवीर सिंह,
छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह
दहियाडा. रिचा, डा. मंजू, शर्मिला,
पूनम, रेखा मौजूद रहे। (जास)



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	25.06.2021	02	04-08

किसानों को कपास उत्पादन तकनीक व प्रबंधन के दिए टिप्स

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से किसानों के लिए आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन कपास प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्पादन तकनीक व प्रबंधन के टिप्स दिए गए। साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कपास उत्पादन तकनीक व प्रबंधन के बारे में जागरूक किया।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमनिवास ढांडा ने कहा कि किसान इन प्रशिक्षणों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रशिक्षण का आयोजन डॉ.

निम्रल कुमार व डॉ. दविद्र सिंह ने किया। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. औमेंद्र सांगवान ने किसानों को कपास के शंकर बीज का उत्पादन अपने खेत में तैयार करने के बारे में जानकारी दी जबकि डॉ. करमल सिंह ने कपास का अधिक उत्पादन लेने के लिए अपनाई जाने वाली उन्नत शास्य क्रियाओं से अवगत कराया।

डॉ. रमप्रकाश ने समस्या ग्रस्त भूमि व खारे पानी का सुधार करने व कपास उत्पादन में विभिन्न बातों का ध्यान रखने की सलाह दी। डॉ. भूपेंद्र ने कीटों का नियंत्रण करने को लेकर उपाय बताए और डॉ. मनमोहन ने कपास में आने वाली विभिन्न बीमारियों के बारे में बारीकी से जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.06.2021	04	06

‘ऑनलाइन कपास प्रशिक्षण का समापन’

हिसार, 24 जून (पेक्स): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन दिवसीय कपास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। यह जानकारी देते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में कपास उत्पादन तकनीक व उसका प्रबंधन मुख्य विषय था।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बतार मुख्यातिथि संबोधित करते किसानों के लिए विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय की ओर से कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। इस प्रशिक्षण के दौरान किसानों को कपास उत्पादन की विभिन्न तकनीकों व उनके प्रबंधन के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई और प्रशिक्षण में धाग लेने वाले प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट संस्थान की ओर से प्रदान किए गए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.06.2021	02	01

कपास प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागी को दिया ई-सर्टिफिकेट

हिसार | एचएयू में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन दिवसीय कपास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समाप्तन हो गया। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में कपास उत्पादन तकनीक व उसका प्रबंधन मुख्य विषय था।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय की ओर से कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों के बारे में भी बताया और कहा कि किसान विश्वविद्यालय से जुड़कर इन प्रशिक्षणों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रशिक्षण का आयोजन डॉ. निर्मल कुमार व डॉ. दविंदर सिंह ने किया। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने किसानों को कपास के शंकर बीज का उत्पादन अपने खेत मे तैयार करने के बारे में जानकारी दी। जबकि डॉ. करमल सिंह ने कपास का अधिक उत्पादन लेने के लिए अपनाई जाने वाली उन्नत शस्य क्रियाओं से अवगत कराया। डॉ. रामप्रकाश ने किसानों को सलाह दी। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट संस्थान की ओर से प्रदान किए गए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25.06.2021	04	01

तीन दिवसीय ऑनलाइन कपास प्रशिक्षण का समापन
हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन दिवसीय कपास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में कपास उत्पादन तकनीक व उसका प्रबंधन मुख्य विषय था। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते कि सानों के लिए विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय की ओर से कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों के बारे में भी बताया और कहा कि किसान विश्वविद्यालय से जुड़कर इन प्रशिक्षणों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। (जास)



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	24.06.2021	02	02-06

गेहूं की तरह बोया जाएगा धान, पानी भी बचेगा

धान की सीधी बिजाई पर किए गए प्रयोग से निकले सकारात्मक परिणाम, किसानों के लिए मददगार

जागरण संवाददाता, हिसार : उत्तरी हरियाणा में धान व गेहूं मुख्य फसलें हैं। इसके साथ ही यहां भू-जलस्तर नीचे जाने की समस्या कुछ वर्षों में बढ़ी हो गई है। यही कारण है कि सरकार यहां धान के स्थान पर दूसरी फसलों को करने के लिए किसानों को प्रेरित कर रही है। न चाहकर भी किसान धान नहीं छोड़ना चाहते हैं ऐसे किसान धान की खेती कर सकेंगे और पानी भी बचेगा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विज्ञानियों की मानें तो सीधी बिजाई किसानों की मदद कर सकती है।

धान की सीधी बिजाई करने पर विज्ञानियों ने पाया कि पैदावार भी अच्छी हुई और पानी की बचत भी हुई। हालांकि सरकार की मेरी पानी मेरी विरासत के तहत किसान भाइयों को सुझाव दिया गया है कि प्रान्त उत्तरी पूर्वी क्षेत्रों में धान का क्षेत्रफल कम करके मक्का की फसल की बिजाई करें। जिससे भूमिगत पानी का स्तर नीचे जाने से बच जायेगा। धान की सीधी बिजाई में धान की फसल को सीधी ड्रिल द्वारा गेहूं की तरह बोया जाता है। गेहूं की कटाई के बाद हैरो व क्लटीवेटर चलाकर लेसर लेवलर द्वारा खेत को एक सार करने के बाद पानी लगाकर बत्तर आने पर धान की बिजाई की जाती है।

सीधी बिजाई के फायदे

● पहला पानी बिजाई के 21 दिन बाद ही लगाना पड़ता है। जबकि कटू की गई फसल में खेत में लगातार पानी खड़ा करना पड़ता है। इसलिए 15-20 फीसद पानी की बचत होती है।

● सीधी बोई गई धान की फसल में खरपतवार की समस्या कम आती है। पहला पानी 21 दिन बाद लगाने पर जड़े गहरी चली जाती है इसलिए फसल में लौह तत्व की कमी नहीं आती है। पैदावार रोपाई की गई धान के बराबर आती है और धान के बाद बोई गई गेहूं की फसल की पैदावार 1.15 विप्टल प्रति एकड़ ज्यादा आती है।

● रोपाई के लिए प्रयुक्त मशीनरी व लगाई का खर्च 4 हजार रुपये प्रति एकड़ की बचत होती है।



हिसार में धान की सीधी बिजाई। ●पीआरओ



जल संरक्षण

खेत कैसे तैयार करें

सीधी बिजाई वाले खेत में पहले लेजर लेवलर लगा दें जिससे पानी की बचत के साथ-साथ खरपतवार नियंत्रण होगा व बीज अच्छे से खेत में उगेगा। लेजर लेवलर लगाने के बाद खेत में पानी लगा दें। जब खेत तरबतर में आ जाए तो हल्का क्लटीवेटर लगाकर दो बार सुहागा लगाने के तुरंत बाद बिजाई कर दें।

सिंचाई का तरीका

तरबतर खेत में बिजाई के बाद पहला पानी बिजाई के तकरीबन 21 दिन बाद लगाएं। देर से पानी लगाने से पौधों की जड़ें गहरी चली जाएगी व जमीन का उपरी भाग शुरुआती दौर में कम बढ़ेगा। पहली सिंचाई देरी से करने से खरपतवारों की समस्या भी कम आती है क्योंकि जमीन की उपरी सतह सुख जाती है जिससे खरपतवार कम उगते हैं पानी देरी से लगाने से जड़ों की वृद्धि अधिक होती है जिससे वे आसानी से पोषक तत्व ले सकती हैं।

किसानों को इस विधि का अधिक से

अधिक फायदा उठाना चाहिए। इस तकनीक से पानी की 15 से 20 फीसद बचत और बैहतर पैदावार को बढ़ाती है। हमारे विज्ञानियों ने इस तकनीक पर कई प्रयोग भी किए हैं जिससे खरपतवार कम उगते हैं पानी देरी से लगाने से जड़ों की वृद्धि अधिक होती है जिससे वे आसानी से पोषक तत्व ले सकती हैं।



प्रो. बीआर कांबोज, कुलपति, एचयू



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	24.06.2021	03	04-06

बैंक आफ बड़ोदा के क्षेत्रीय प्रबंधक ने किया हकूमि का दौरा

जासं, हिसार : बैंक आफ बड़ोदा के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रवीन कुमार सिंह ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का दौरा कर कुलपति बलदेव राज कांबोज से मुलाकात की। उन्होंने बैंक आफ बड़ोदा द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं के बारे में बैंक द्वारा समय समय पर कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत किये जाने वाले कार्यों के बारे में बताया।

इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार राजवीर सिंह व लेखानियंत्रक नवीन जैन से मुलाकात कर विश्वविद्यालय व बैंक द्वारा मिलकर सामाजिक व शिक्षा के विकास पर कार्य करने पर विचार विमर्श किया। इस दौरे के दौरान प्रवीन कुमार सिंह कृषि व्यापार उद्धवन केन्द्र के नोडल अधिकारी सतीश कुमार गोयल से मिले। कृषि में नए व्यापार, विकास के आयामों और कृषि क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने पर चर्चा की। साइना नेहवाल कृषक प्रशिक्षण केंद्र के डा. अशोक गोदारा से मिलकर सुवाओं को बैंक व्यवसाय संवाददाता स्कीम के तहत रोजगार प्रदान करने के बारे में चर्चा की। इस दौरे को सफल बनाने में बैंक आफ बड़ोदा के पूर्व कृषि अधिकारी व वर्तमान में

मंथन

- कृषि के क्षेत्र में विकास के आयाम स्थापित करने पर चर्चा की



एचएयू में कुलपति प्रो वीआर कांबोज से मिलते बैंक आफ बड़ोदा के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रवीन कुमार सिंह। — वीजौआइ।

विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर सुवोध अग्रवाल ने अहम भूमिका निभाई। इस दौरे पर प्रवीन कुमार सिंह के साथ बैंक के उप क्षेत्रीय प्रबंधक अंजनी कुमार सिंघल, क्षेत्रीय व्यवसाय प्रबंधक ईशान भूटानी और बैंक की विश्वविद्यालय शाखा के प्रमुख रवि सिंह उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पैनडु मासिक	२४.६.२१	५	५-८

कृषि विशेषज्ञ किसानों को जून से जुलाई के बीच अरहर की खेती करने की दे रहे सलाह अरहर की उन्नत किस्म उगाकर किसान पा सकते हैं 6-8 विवंटल प्रति एकड़ की पैदावार; आय व उर्वरता बढ़ेगी

- अरहर की हरी पत्तियां टोकरी बनाने में सहायक

महबूब अली | हिसार

जून और जुलाई में किसान अरहर की उन्नत किस्मों पूसा 33, उपास 120, जागृति, मानक, पारस आदि की खेती कर अपनी आय बढ़ा सकते हैं। किसान उन्नत किस्म उगाकर 6 से 8 विवंटल प्रति एकड़ तक पैदावार पा सकते हैं। अरहर की खेती करने से खेत की उर्वरा शक्ति भी बढ़ती है। इसके साथ ही अरहर में प्रोटीन ज्यादा होने के चलते यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। इसके अलावा अरहर की हरी पत्तियों से टोकरी बनाइ जाती है। यह कमाई का अतिरिक्त जरिया हो सकता है। हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को अरहर की खेती करने के प्रति जागरूक कर रहे हैं।



अरहर की फसल। (फाइल फोटो)

- भूमि का चुनाव एवं तैयारी:** हल्की दोमट अथवा मध्यम भारी प्रचुर स्पून वाली भूमि, जिसमें समर्जित पानी निकासी हो, अरहर बांने के लिये उपयुक्त है। खेत को 2 या 3 बाद हल चला कर तैयार करना चाहिये।
- बुआई का समय व तरीका:** डॉ. अनुराग ने बताया कि अरहर की बुआई जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई के प्रथम सप्ताह में करें। मध्यम व देर से पकने वाली किस्मों के लिए पौधों की दूरी 25-30 सेमी व कम अवधि की किस्मों के लिए 15-20 सेमी रखें।

इन उन्नतशील किस्मों की पूरी सकते हैं बुआई

कृषि विकास अधिकारी डॉ. अनुराग सांगवाने के अनुसार दुर्गा 84031, उपास 120, पूसा 855, पूसा 33,

पूसा अगोती आजाद जागृति, टाइप 21, जवाहर अरहर, पूसा 9, पीपीएच-4, आईसीपीएच 8, पारस, मानक आदि।

बीमारियां व नियंत्रण

- उक्टा रोग:** यह प्यूजेरियम नामक कवक से होता है। रोग के लक्षण फसल में फूल लाने के दौरान दिखते हैं। सिंतंबर से जनवरी के बीच में यह रोग होता है। इसमें पौधा पीला होकर सूख जाता है। जड़ें सड़ कर गहरे रंग की हो जाती हैं। इससे बचने के लिए किसान रोगरोधी किस्में जैसे जे.के. एम-189, सी.-11, जे.के.एम-7, बी.एस. एम.आर.-853, 736 आशा आदि बोएं।

- बांझापन विषाणु रोग:** यह विषाणु जनित रोग है। इसमें पौधों की ऊपरी पत्तियां छोटी, हल्के रंग की हो जाती हैं। इसकी रोकथाम के लिए रोगरोधी किस्में लगाएं।

कीट नियंत्रण

- कीटों के प्रभावी नियंत्रण हेतु समन्वित संरक्षण प्रणाली अपनाना आवश्यक है।**
- फसल चढ़:** गर्मी में गहरी जुताई करें। शुद्ध अरहर न बोयें। फसल चढ़ क्र अपनायें। रासायनिक खाद की अनुशासित मात्रा डालें। अरहर में ज्वार, मक्का जैसी अन्तरवर्तीय फसलें लगाएं।
- यांत्रिकी विधि द्वारा:** प्रकाश प्रणाली लगाएं। फेरोमेन टेप्स लगाएं, पौधों को हिलाकर इलिल्यों को गिरायें एवं उनको इकट्ठा करके नष्ट करें। खेत में चिड़ियों के बैठने के लिए अंगूजी शब्द 'टी' के आकार की खुटिया लगाएं।